एमएस धोनी, चेन्नई सुपर किंग्स

वैसे तो धोनी को सीजन के बीच में कप्तानी मिली है, लेकिन उन्होंने सभी मैच खेले हैं। उनके नाम 13 मैचों में 206 रन हैं। एक–दो मैचों को छोड़ दिया जाए तो वह छाप छोड़ने में असफल रहे हैं।

अपनी टीम के लिए पनौती साबित हुए ये चार कप्तान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग का 2022 सीजन खत्म होने को है, लेकिन कई बड़े नाम ऐसे हैं, जो अब तक रंग में नजर नहीं आए। खासतौर पर टीमों के कप्तान। इन सभी का प्रदर्शन औसत से भी नीचे रहा है। इन औसत 18–19 का है, जो किसी भी तरह से उनके कद को नहीं दर्शाता है।

केन विलियमसन, सनराइजर्स हैदराबादः सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान केन विलियमसन की टीम प्लेऑफ से बाहर होने के करीब है। उन्होंने बल्ले ने भी निराश किया है। 12 मैचों में विलियमसन के नाम सिर्फ 208 रन हैं।

मयंक अग्रवाल, पंजाब किंग्सः केएल राहुल की जगह पंजाब किंग्स के कप्तान बने मयंक अग्रवाल के लिए यह सीजन नाइटमेयर साबित हुआ है। उनके नाम सिर्फ 195 रन हैं, जबकि औसत सिर्फ 17.72 का है।

रोहित शर्मा, मुंबई इंडियंसः 5 बार की चैंपियन रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम ने शुरुआती 8 मैच गंवाए। इसके पीछे बड़ी वजहों में से एक कप्तान रोहित शर्मा खुद रहे। 12 मैचों में उनके नाम 18.16 की औसत से 218 रन दर्ज हैं।

ऋषभ पंत का अहंकार ज्यादा बड़ा है या टीम की जीत

क्रिकेट

पूर्व भारतीय खिलाड़ियों ने पंत पर कसा तंज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। रिषभ पंत का पंजाब किंग्स के खिलाफ हुए मैच में जिस तरह का अप्रोच था उससे टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर आरपी सिंह और प्रज्ञान ओझा बिल्कुल भी खुश नजर नहीं आए। इस मैच में दिल्ली की पारी के दौरान जब पलड़ा पंजाब की तरफ झुका दिख रहा था तब रिषभ पंत बल्लेबाजी करने आए थे, लेकिन उन्होंने अपना आपा खो दिया और एक बेहद खराब शाट खेलकर लियाम लिविंगस्टोन को अपना विकेट उपहार के तौर पर दे दिया। ओझा के मुताबिक पंत के पास एक शानदार मौका था कि वो इस स्थिति में अच्छा खेल दिखाकर खुद को स्थापित करते।

प्रज्ञान ओझा ने क्रिकबज के साथ बात करते हुए कहा कि वो एक स्थापित बल्लेबाज हैं और उन्हें भविष्य (भारत) की कप्तानी के लिए एक विकल्प के रूप में देखा जा रहा है, जो लंबे समय तक भारतीय टीम के लिए मैच विजेता हो सकते हैं। कौन है मैच विनर? 4 गेंदों पर 4 छक्के मारना मैच विजेता नहीं है। मैच विजेता पारी बनाता है, जिम्मेदारी भी लेता है। इसलिए पंत ने इस मैच में एक सुनहरा मौका गंवा दिया। पंत को आउट करने के लिए ही लिविंगस्टन को आक्रमण में लाया गया और पंजाब को इस बात की परवाह नहीं थी कि पंत उनकी छह गेंदों पर छह छक्के लगा दें।

पंजाब के खिलाफ रिषभ पंत ने 3 गेंदों पर 7 रन बनाए और वो लिविंगस्टोन की बाहर जाती एक गेंद को खेलने के प्रयास में जितेश शर्मा के हाथों स्टंप आउट हो गए। आरपी सिंह ने कहा कि आपका अहंकार अधिक महत्वपूर्ण है या मैच जीतना? मैच पहले ही पीबीकेएस की ओर झुक चुकी थी। आप ललित यादव को दोष नहीं दे सकते, वो एक युवा है लेकिन पंत को अधिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए थी।

लिविंगस्टोन ने एक जाल बिछाया और वह ठीक उसी में उलझ गए। वो एक स्थापित गेंदबाज नहीं हैं, लेकिन वो पंत की टेंपर के साथ से खेल रहे थे। उन्होंने पंत को अहंकार की लड़ाई के लिए मजबूर किया और पंत इसमें उलझकर अपना विकेट गंवा बैठे।

भारत दौरे के लिए साउथ अफ्रीका ने किया टीम का ऐलान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका ने भारत के खिलाफ नौ जून से शुरू होने वाली पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला के लिये ट्रिस्टन स्टब्स के रूप में नया चेहरा अपनी टीम में शामिल किया है जबकि वायने पर्नेल की पांच साल बाद वापसी हुई है। दक्षिण अफ्रीका ने भारत दौरे के लिये तेम्बा बावुमा की अगुवाई में 16 सदस्यीय टीम चुनी है। दक्षिण अफ्रीका पिछले साल आईसीसी टी20 विश्व कप के बाद पहली बार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगा। 21 वर्षीय स्टब्स ने क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) के टी20 चौलेंज में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। उन्होंने सात पारियों में 293 रन बनाये थे, जिसमें 23 छक्के शामिल हैं। उनका स्ट्राइक रेट 183.12 था। वह जिम्बाब्वे दौरे के लिये दक्षिण अफ्रीका की 'ए' टीम का भी हिस्सा थे जिसके बाद उन्हें मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग के लिये मुंबई इंडियंस ने अपनी टीम में शामिल कर दिया था। कूल्हे की चोट से उबरने वाले तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्त्जे तथा बल्लेबाज रीजा हेंड्रिक्स और हेनरिक क्लासेन को भी टीम में लिया गया है।

नॉर्त्जे अभी आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेल रहे हैं। पर्नेल ने भी 2017 में बाद पहली बार दक्षिण अफ्रीकी टी20 टीम में वापसी की है। केशव महाराज और टी20 रैंकिंग में नंबर एक गेंदबाज तबरेज शम्सी के अलावा दक्षिण अफ्रीकी टीम में आईपीएल में खेलने वाले खिलाड़ी जैसे क्विंटन डिकॉक, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, लुंगी एंगिडी, ड्वेन प्रिटोरियस, कागिसो रबाडा, रासी वान डर डूसेन और मार्को जेनसन भी शामिल हैं।

पांच मैचों की टी20 श्रृंखला नौ जून को नयी दिल्ली में शुरू होगी। इसके बाद कटक (12 जून), विशाखापत्तनम (14 जून), राजकोट (17 जून) और बेंगलुरू (19 जून) में मैच खेले जाएंगे।

एंड्रयू साइमंड्स की बहन के सवाल से गहराया मौत का राज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ऑस्ट्रेलिया। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर एंड्रयू साइमंड्स की शनिवार को एक कार दुर्घटना में मौत से आखिरी घंटे पहले रहस्य और गहरा हो गया, जब उनकी बहन ने डेलीमेल डॉट को डॉट यूके को बताया कि परिवार को पता नहीं था कि हादसे की रात साइमंड्स सुनसान सड़क पर क्या कर रहे थे। क्वींसलैंड के टाउन्सविले के पश्चिम में एक कार दुर्घटना में पूर्व ऑलराउंडर की मौत हो गई। वह अपने पीछे पत्नी लौरा और दो बच्चों को छोड़ गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि उनकी बहन लुईस साइमंड्स ने कहा कि वह चाहती हैं कि वह अपने भाई के साथ बस एक और दिन समय बिता सकें। उन्होंने आगे कहा कि मेरे भाई वापस आ जाओ और परिवार के साथ समय बिताओ। लुईस के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है, 'दुर्घटना बहुत भयानक थी। हम नहीं जानते कि आंद्रे साइमंड्स वहां क्या कर रहे थे। हादसे में साइमंड्स के दो कुत्ते बच गए। रिपोर्ट के अनुसार, दो स्थानीय लोग बबेथा नेलीमन और वायलन टाउनसन दुर्घटना के कुछ ही मिनटों के भीतर घटनास्थल पर पहुंच गए।

न्यूज डायरी

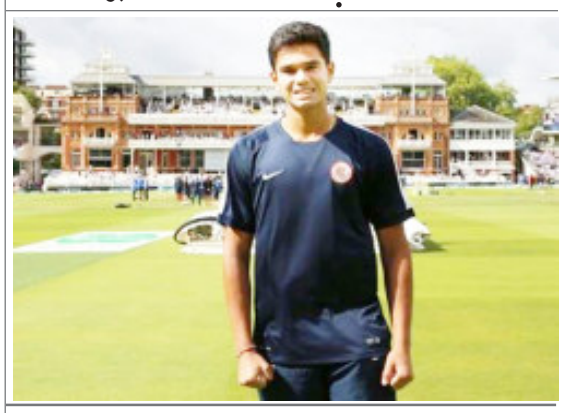

अर्जुन तेंदुलकर को मिल सकता है आईपीएल में डेब्यू का मौका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। टीम को लगातार 8 मुकाबलों में हार मिली और वह टूर्नामेंट में प्लेआफ की दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई। अब टीम अपने सम्मान को बचाने के लिए अपने आखिरी दो मुकाबलों में खेलने उतरेगी। यह मैच टीम के लिए खास हो सकता है क्योंकि इसमें एक बदलाव की उम्मीद है जिसको लेकर काफी वक्त से फैंस इंतजार कर रहे हैं। टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम मुंबई इस सीजन में महज 3 मुकाबले ही जीत पाई है। भले ही टीम ने हार से शुरुआत की हो लेकिन वह अंत जीत के साथ करना चाहेगी। पिछले मुकाबले में टीम ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ जीत हासिल की और उसके प्लेआफ की उम्मीदों को खत्म कर दिया। टीम का अगला मुकाबला हैदराबाद के साथ है और फिर वह दिल्ली की टीम के खिलाफ खेलेगी। इन मैचों में भी मामला प्लेआफ का ही है। मुंबई के सामने दोनों टीम को जीत चाहिए ताकी अपनी उम्मीदों को वह जिंदा रख सके।

थॉमस कप जीत पर देश का सीना चौड़ा, पर इस आईएएस ने कर दिया जोक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय पुरुष टीम ने 14 बार की चैंपियन इंडोनेशिया को 3–0 से एकतरफा रौंदते हुए थॉमस कप–2022 का खिताब अपने नाम किया। टीम की इस उपलब्धि जहां पूरा देश गर्व कर रहा है तो एक आईएएस अधिकारी सोमेश उपाध्याय ने बड़ा ही अजीब ट्वीट करते हुए मजाक उड़ाया। इस पर भारतीय क्रिकेटर अमित मिश्रा ने उन्हें खूब सुनाया। हालांकि, कुछ लोगों ने आईएएस का यह कहकर समर्थन किया कि यह सिर्फ मजाक था। सोमेश ने मच्छर मारने वाले रैकेट की तस्वीर शेयर करते हुए ट्वीट किया, इंडोनेशिया भी हैरान होगा कि भारत बैडमिंटन में उनसे बेहतर है। ऑफिसर ने यह ट्वीट भले ही मजाक में किया था, लेकिन क्रिकेट फैंस के बीच मिश्रा जी नाम से जाने जाने वाले क्रिकेटर को यह बुरा लगा। अपनी बेबाक राय रखने के लिए मशहूर अमित मिश्रा ने रिप्लाय किया– यह न केवल शर्मनाक है बल्कि हमारे बैडमिंटन नायकों की उपलब्धि का अपमान भी है।

आंखों पर चश्मा, पकी दाढ़ी... 57 की उम्र में टी20 डेब्यू

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। अंग्रेजी में एक कहावत है ।हम पे रनेज दनउइमत (उम्र तो सिर्फ नंबर है)... 57 वर्षीय क्रिस्चियन रोक्का इस लाइन को पूरी तरह से चरितार्थ कर रहे हैं। जहां 35–40 की उम्र में दिग्गज खिलाड़ी क्रिकेट किट खूंटी पर टांग देते हैं तो रोक्का ने आंखों पर चश्मा पहने और लगभग पूरी सफेद हो चुकी दाढ़ी के साथ टी–20 इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया। जिब्राल्टर के लिए खेलने वाले इस क्रिकेटर ने 57 वर्ष 66 दिन की उम्र में पहला इंटरनेशनल टी–20 खेला, जबकि महान सचिन तेंदुलकर से पहले से वह वनडे खेल रहे हैं। उन्होंने 1986 में पहला वनडे खेला था। क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन ने 1989 में इंटरनेशनल क्रिकेट का आगाज किया था, जबकि 2013 में अपना आखिरी टेस्ट मैच खेला था। आईसीसी के असोसिएट देश (12 राष्ट्रीय बोर्डो) बुल्गारिया और जिब्राल्टर के बीच वैलेटा कप के दौरान रोक्का ने डेब्यू किया।

थॉमस कप में सोने के बाद भी अधूरा गुरु गोपी का मिशन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) हैदराबाद। बैंकॉक में रविवार को थॉमस कप की सनसनीखेज जीत का जश्न मनाने के बाद सभी भारतीय खिलाड़ी स्वर्ण पदक पहनकर सो गए। ठीक 28 साल पहले भारत सरकार ने 1994 के राष्ट्रमंडल खेलों में बैडमिंटन टीम भेजने से इनकार कर दिया था, क्योंकि सरकार इतना आश्वस्त थी कि टीम टॉप –6 में नहीं पहुंच पाएंगे। इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, श्रीलंका जैसी उस वक्त की धाकड़ टीमें टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही थीं। पुलेला गोपीचंद राष्ट्रीय उस समय टीम के सदस्य थे और उन्हें सरकार के फैसले से निराशा हुई, लेकिन वह नाराज नहीं थे, क्योंकि यह तब बैडमिंटन का मानक था।